आमजन के बीच जागरूकता जरूरी

ब्यूरो,नवज्योति/जयपुर। आर एच असंगतता (इन्कॉम्पैटिबिलिटी) या आरएच फैक्टर में विभिन्नता होने से मां और उसके बच्चे में गर्भावस्था के दौरान या जन्म के बाद गंभीर परिणाम देखने को मिल सकता है। अगर इस समस्या का इलाज न कराया जाए तो इसका और भी ज्यादा भयानक असर देखने को मिल सकता है। एटरनल हॉस्पिटल जयपुर के गायनेकॉलोजी और ऑब्सटेट्रिक्स कंसल्टेंट डॉ. शैलेश जैन ने कहा कि कि सभी महिलाओं की इस समस्या के लिए गर्भावस्था की शुरुआत में या गर्भधारण करने से पहले आरएच टाइप की जांच की जाए और जहां आवश्यक हो वहां इलाज शुरू किया जाए तो इन समस्याओं को होने से रोका जा सके।